तथा रंगकर्मी विक्रम बिष्ट का कहना है कि सियासत के कारण ही लक्ष्मण मेला स्थल की बलि दी जा रही है। इससे कलाप्रेमियों तथा कलाकार दोनों का अहित होगा।

सरकार के कार्यकाल में हर वर्ग तबाही के कगार पर है। छात्रसंघ चुनाव पर प्रतिबंध लगाकर छात्रों के लोकतांत्रिक अधिकार को सरकार कुचल रही है।

रविदास जन्मोत्सव समारोह पर विशाल जनसभा रविदास मंदिर अलीगंज में सायं 7 बजे

है। क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि सभार इसे दुरुस्त कराने का आश्वासन लंबे अ से देते आ रहे हैं,लेकिन तब भी नतीजा व ढाक के तीन पात है।

'बांग्लादेश में हिन्दुओं पर बढ़ रहे अत्याचार'

- अल्पसंख्यक हिन्दुओं के पक्ष में समर्थन जुटाने राजधानी आये अमेरिकी पत्रकार डा. रिचर्ड एल बेक्विंग

लखनऊ, 20 फरवरी (संवाद सूत्र) : बांग्लादेश में हिन्दुओं पर अत्याचार बढ़ रहे है। इसी वजह से बड़ी संख्या में हिन्दू भारत में पलायन करने को मजबूर हैं। वहां कट्टरपंथी ताकतें हिन्दुओं को देश से बेदखल करके उनकी संपत्ति पर कब्जा कर रही हैं। मगर विश्व में कोई भी देश इसके खिलाफ कारगर ढंग से आवाज नहीं उठा रहा है। यह कहना है बांग्लादेश में हिन्दुओं के हितों के लिए काम कर रहे अमेरिकी पत्रकार डा. रिचर्ड एल बेक्विंग का। वह आज लखनऊ विश्वविद्यालय में वूमेन्स स्टडी विभाग में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में वेस्ट प्रापर्टी एक्ट हिन्दुओं के लिए अभिशाप साबित हो रहा हैं। यहां हिन्दुओं को देश से जबरन बेदखल करके उनकी सम्पत्ति को हड़पा जा रहा है। डा. रिचर्ड ने बताया कि वर्ष 1974 में बांग्लादेश की कुल आबादी में 18 प्रतिशत हिन्दू थे लेकिन आज यह संख्या घटकर मात्र 9 प्रतिशत ही रह गयी है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2003 में बांग्लादेशी पत्रकार सलाउद्दीन चौधरी को हिन्दुओं के हितों के लिए लिखने व इजराइल के पक्ष में बोलने पर नजरबंद कर लिया गया था। बड़ी मुश्किल से अमेरिकी दबाव बनाने के बाद उन्हें छोड़ा गया।

लविवि के पत्रकारिता विभाग में छात्रों से बातचीत करते अमेरिकी पत्रकार डा. रिचर्डस एल बेक्विंग

वह कहते हैं कि आज बांग्लादेश में तेजी से पलायन करने को मजबूर हिन्दुओं के लिए विश्व में एक मंच बनाने की जरूरत है। वह इसी काम में जुटे हुए हैं। इससे पहले उन्होंने बांग्लादेश में हिन्दुओं की स्थिति पर पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग तथा आधुनिक भारतीय इतिहास विभाग में व्याख्यान भी दिया।

'हिंद मसलमां दोनों वफादार-ए-वतन हैं'

एम एस टी सी लिमिटेड MSTC LIMITED

का। कहा कि अगमनटेशन फंड व मराजा के बहादुर से मिलेंगे। इसके बाद

बंग्लादेश में आधी हुई हिन्दुओं की

कानून का दुरुपयोग कर जब्त की जा रही है जमीन

लखनऊ (कासं)। 1974 में बंग्लादेश में कुल आबादी के 18 फीसदी हिंदू थे लेकिन आज इनकी संख्या महज नौ फीसदी रह गई है। वहाँ अल्पसंख्यक हिंदुओं के विरुद्ध अत्याचार बढ़े हैं और वेस्टेड प्रापर्टी एक्ट का सहारा लेकर उनकी सम्पत्तियाँ जब्त की जा रही हैं। नतीजतन कुछ लोगों ने धर्म परिवर्तन कर लिया है तो कुछ भारत जैसे पड़ोसी देशों में पलायन कर गए हैं। बड़ी संख्या में लोग मार दिए गए। पड़ोसी मुल्क में धर्म के नाम पर हो रहे अत्याचार को अमेरिकी मानवाधिकार कार्यकर्ता व दक्षिण एशियाई मामलों के विशेषज्ञ डॉ. रिचर्ड एल बेनकिन ने बुधवार को लखनऊ विश्वविद्यालय में पत्रकारों से बातचीत में उजागर किया। डॉ. रिचर्ड बंग्लादेश में हो रहे अत्याचार के विरुद्ध जनसमर्थन जुटाने के उद्देश्य से पूरे विश्व का भ्रमण कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि 2003 में एक पत्रकार सलाउद्दीन चौधरी ने अपने लेख में इसके खिलाफ आवाज उठाई तो उसे नजरबंद कर दिया गया। बंगाल में रह रहे एक हिंदू के माध्यम से इसकी जानकारी होने पर उन्होंने अमेरिकी कांग्रेस के कुछ सदस्यों के माध्यम से मुहिम चलाकर दबाव डाला तब जाकर उसे हाल ही में रिहा किया गया। बांग्लादेश में धर्म विशेष के मानने वालों पर देशद्रोह का मुकदमा चलाकर उनकी सम्पत्ति जब्त की जा रही है। पलायन ऐसे लोगों के सामने मजबूरी है।

डॉ. रिचर्ड एल बेनकिन

सूखने
लिए
ए गए
धे?

अवध क्षेत्र

का समय
झड़ गए
क शीशम
पेड़-पौधे
एक-एक
ड़ अथवा
ई जबकि
जैसे ही
-पौधों में
बाद वे

ब्रिटेन में
बढ़ा

● ब्रिटेन
इंजीनियरिं
मीडिया, अ
पढ़ाई के
भारतीय छ
अपार संभा
काउंसिल
(शिक्षा) अ
मालवीय स
कालरा ने ब
वहाँ स्कॉल
दौरान वे
कमाई भी
करने के ब
वीजा के र
ब्रिटेन में पी